जग विच धुमा तेरिया जगदम्बे माँ

जग विच धुमा तेरिया जगदम्बे माँ ॥
सुण लै माँ दो गल्ला , कोल वैह के मेरिया
जग विच.....

माँ वैष्णो मेरी वी तू बेड़ी तार दे,
मैं बछड़ा माँ तेरा मावां वाला प्यार दे ॥
सुण लै मेरी माँ दुहाई ॥, या तू ठोकर मार दे,
जग विच.....

विच काँगड़ा मंदिर तेरा सझदा पेया ,
कोई न मुढ़िया खाली जेहड़ा दर ते आ गया ॥
शक्ति वी भगती वी ॥,मेरी दाती वी मिले
जग विच.....

माँ वैष्णो जग मग तेरी जोत जगे ,
बड़े बड़े अपराधी तेरे चरणी आ लगे ॥
कर सनान गंगा बाण ॥, ऐथे हर कोई तर गया,
जग विच.....

स्वर :-अमित शालू जी
फगवाड़े वाले

Source:
https://www.bharattemples.com/jad-vich-dhumaa-teriyan-jagdambe-maa-sun-le-maa-do-gallan-kol-veh-ke-meriya/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw